मोतीलाल नेहरू सांध्य महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वार्षिक विवरणिका
सत्र – 2011–2012

मंच पर विराजमान आदरणीय मुख्य अतिथि प्रो0 जितेन्द्र मोहन खुराना, समारोह के अध्यक्ष माननीय प्रो0 अनिल ग्रोवर (गवर्निंग बॉडी अध्यक्ष) एवं गवर्निंग बॉडी के सदस्य सम्माननीय प्रो0 जे.एस. विरदी, स्टॉफ काउंसिल सचिव प्रो0 दिनेश वार्ष्णेय और मंच के सम्मुख बैठे सहयोगी प्रज्ञावान शिक्षकगण, कर्मठ–कुशल कर्मचारी बंधुओं, प्रिय छात्र एवं छात्राओं –

मैं इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

आपको यह जानकर अपार हर्ष होगा कि महान् विभूति प्रख्यात कानूनविद् एवं स्वाधीनता सेनानी के नाम पर सन् 1965 में स्थापित यह मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय प्रारंभ में हस्तिनापुर कॉलेज के नाम से जाना जाता था। पं0 मोतीलाल नेहरू सन् 1919 एवं 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने 1923 में देशबंधु चितरंजन दास के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' की स्थापना भी की। आज भी इलाहाबाद का उनका आनंद भवन स्वाधीनता आंदोलन की अमर गाथा को अपने भीतर संजोये हुए है, एवं सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए एक प्रेरणापुंज भी है। मोतीलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू के पिता एवं भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के दादा थे। वे भारत के प्रथम युवा प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी के नाना थे। मोतीलाल नेहरू घराना की राजनैतिक विरासत आज भी राष्ट्र–सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हमें इस तथ्य का उल्लेख करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि इस कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य, विख्यात शिक्षाविद् डॉ0 आर.के. भान थे। आने वाले वर्षों में डॉ0 शंकरदेव

शर्मा 'अवतरे' एवं डॉ0 सुरेश चन्द शर्मा जैसे साहित्यप्रेमी एवं प्रशासनिक दक्षता वाले व्यक्तित्वों ने कॉलेज के प्राचार्य पदभार का दायित्व संभाला।

जहाँ इस महाविद्यालय का अतीत गौरवमयी है वहीं इसका वर्तमान और भविष्य भी बहुत उज्जवल है। इस वर्ष हमारा एक विद्यार्थी अभिमन्यू कुमार (बी.कॉम.) **IAS** और एक छात्रा शालिनी सिंह अमेरिका में पीएच.डी. कर रही है। हमारे अनेक छात्र–छात्राओं ने इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से अच्छी कंपनियों जैसे **HDFC, GENPACT, WNS, EXL** आदि में **Placement** पाया है। इस कॉलेज का फुटबाल खिलाड़ी अंकित शर्मा, बी.ए. (प्रोग्राम) रफेन क्लब यूरोप में पहला भारतीय खिलाड़ी है जिसके साथ 1.25 करोड़ का अनुबंध हुआ है। सन् 2015 में यह महाविद्यालय अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती मनाएगा।

आज के वार्षिकोत्सव के अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि ऐसे व्यक्ति हैं जिनके औपचारिक परिचय की आवश्यकता नहीं है तथापि इस औपचारिकता को निभाने में मैं गौरव का अनुभव करता हूँ।

इस वार्षिकोत्सव पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर जितेन्द्र मोहन खुराना, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। कॉलेज के वार्षिकोत्सव में योग्य छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित और सम्मानित किया जाता है। इस सम्मान की गरिमा तब और भी बढ़ जाती है जब सम्मान प्रदाता मुख्य अतिथि स्वयं अपने छात्र जीवन और कार्यक्षेत्र का सुयोग्य व्यक्तित्व हो। प्रोफेसर खुराना निश्चय ही इस सम्मान–प्रदान के सुयोग्य सम्माननीय अधिकारी हैं।

शिक्षा, शोध, विज्ञान से संबंधित अनेक अन्वेषणों की उपलब्धियों से अलंकृत प्रोफेसर जितेन्द्र मोहन खुराना ने अपनी उच्च शिक्षा एम.एससी. दिल्ली विश्वविद्यालय एवं पीएच.डी. की उपाधि आई.आई.टी. कानपुर से 1982 में प्राप्त की है। आपने जनवरी 1986 में दिल्ली विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में प्राध्यापक के रूप में अध्यापन एवं शोध कार्य प्रारंभ किया। इसके उपरांत वहीं आप जनवरी 1991 में वरिष्ठ प्राध्यापक के पद पर नियुक्त हुए। अक्तुबर 1997 में आपने रीडर का पदभार ग्रहण किया। मई 2003 में आप रसायन विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने।

आपकी विशेषज्ञता एवं शोध अभिरूचि के चलते आपको समय–समय पर विभिन्न राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है। जिनमें से कुछ का मैं उल्लेख कर रहा हूँ। अक्तुबर, 1982 में अलबेरटा विश्वविद्यालय, रसायन विज्ञान विभाग, कनाडा की ओर से पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप प्रदान की गई। अक्तुबर 1983 में मार्कवेट **(Marquette)** विश्वविद्यालय, रसायन विज्ञान विभाग की ओर से रिसर्च एसोसियेट के रूप में आमंत्रित किया गया। जुलाई 1985 में अमेरिका के ही लेहिग **(Lehigh)** विश्वविद्यालय ने आपको रिसर्च एसोसियेट के रूप में आमंत्रित किया। जनवरी 1995 में स्टेनफोर्ड रिसर्च इन्सटीट्यूट अमेरिका की ओर से इन्टरनेशनल फेलो के रूप में अपने दायित्व का निर्वाह किया।

आपके 75 से अधिक शोध–पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शोध–पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। आज जहाँ आप पिछले तीन दशक से अनवरत शोध कार्य एवं अध्यापन कार्य में संलग्न हैं वहीं आपके निर्देशन में 15 शोधार्थियों ने एम.फिल. की उपाधि एवं 22 शोधार्थियों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है।

सम्प्रति, आप दिल्ली विश्वविद्यालय डीन स्टुडेंट वैलफेयर के श्रमसाध्य पदभार का दायित्व निर्वाह करते हुए विभिन्न शिक्षण संस्थाओं एवं समितियों तथा विश्वविद्यालय के अकादमिक क्रियाकलापों में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वाह भी कर रहे हैं।

आपका सहज, सरल व्यक्तित्व हम सबके लिए प्रेरणादायी है, हमारी कामना है कि आपकी विमल कीर्ति–यात्रा कभी विराम न ले।

इस उत्सव की अध्यक्षता कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन प्रो0 अनिल ग्रोवर कर रहे हैं। आप दक्षिण परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्लांट मोलीक्यूलर बायोलॉजी विभाग के अध्यक्ष हैं। आपने 1979 में दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.एससी. की उपाधि और 1984 में आई.ए.आर.आई. **(IARI)**, नई दिल्ली से प्लांट फीजियोलॉजी में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। आप 1984–88 तक गल्फ **(Gulph)** यूनिवर्सिटी कनाडा में रिसर्च एसोसियेट रहे। आपने 1988 से 1994 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग में वैज्ञानिक एवं प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। 1993–94 में आप रॉकफैलर फाउण्डेशन, अमेरिका से पोस्ट डॉक्टोरल फैलो के रूप में अपने दायित्व का निर्वाह किया। 1994 से 2002 तक आप दिल्ली विश्वविद्यालय में वरिष्ठ प्राध्यापक एवं रीडर के पद पर नियुक्त हुए। इसी बीच आपने 1996–97–98 में रॉकफैलर फाउंडेशन अमेरिका में कैरियर फैलो के रूप में भी कार्य किया। आप 2002 में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने। सन् 2002–2004 तक आपने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में विजिटिंग फैलो के रूप में शोध कार्य किया।

आपकी विशेषता फीजियोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री, मोलीक्युलर बायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, जिनोमिक्स इत्यादि क्षेत्रों में है।

आप पिछले पच्चीस वर्षों से दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर में अध्यापन कार्यरत हैं। आपके निर्देशन में 9 पीएच.डी., 5 एम.फिल. और 21 एम.एससी. लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किये जा चुके हैं। आपकी योग्यता एवं विषय विशेषज्ञता के कारण भारत सरकार द्वारा आपको नेशनल बायोसाइंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। आपके लगभग 100 से अधिक आलेख एवं शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं। इसके अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में विशेष रूप से नीदरलैंड्स, इजिप्ट, टर्की में आपकी भागीदारी उल्लेखनीय रही है। विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के लिए आपको पदेन सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

अध्यापन कार्य एवं शोध कार्य में निरन्तर व्यस्त रहते हुए भी आपने दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक कॉलेजों जैसे वेंकटेश्वर, गार्गी, श्री अरविन्दो, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, आचार्य नरेन्द्र देव, मैत्रेयी आदि में आपने गवर्निंग बॉडी में अपनी भूमिका का सतत् निर्वाह किया है।

आप इंडियन अकेडमी ऑफ सांइसेज बैंगलोर और नई दिल्ली, इलाहाबाद के फैलो हैं। आई.एन.आर.आई. के आजीवन सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त सैल्फ स्ट्रेस सोसाइटी इन्टरनेशनल **(CSSI, USA),** अमेरिकन सोसाइटी ऑफ प्लांट बायोलोजिस्ट्स **(ASPB), USA** के सदस्य हैं।

प्रोफेसर अनिल ग्रोवर का अपने विषय विशेष प्लांट मोलीक्युलर बॉयोलॉजी के प्रति अभिरूचि का पता चलता है वहीं प्रशासनिक दायित्व के निर्वाह के प्रति वे उतने ही सजग

एवं तत्पर हैं जो प्रशंसनीय है। हमारी शुभकामनाएँ हैं कि आप इसी तरह ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में एक पथ–प्रदर्शक के रूप में कार्य करते रहें।

प्रो0 जे.एस. विरदी

दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर तथा माइक्रोबायोलोजी के अध्यक्ष हैं, आपकी विशेषज्ञता का क्षेत्र 'पानी से उत्पन्न बीमारियों का अध्ययन है।' आपके विभिन्न राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं में पचास से अधिक शोध–पत्र प्रकाशित हैं। अनेक संस्थाओं ने आपके उत्कृष्ट शोध–कार्यों के लिए सम्मानित किया है। वर्तमान में प्रोफेसर विरदी हमारे महाविद्यालय की गवर्निंग बॉडी के सदस्य हैं और समय–समय पर हमें इनका मार्गदर्शन मिलता रहता है और इसके लिए हम सदैव उनके आभारी रहेंगे।

कॉलेज की गवर्निंग बॉडी

इस सत्र की गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल ग्रोवर हैं। प्रो0 जे.एस. विरदी (प्रो0 एवं अध्यक्ष माइक्रो बॉयोलोजी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर) विश्वविद्यालय प्रतिनिधि हैं। डॉ0 बी.के. जैन (कार्यवाहक प्राचार्य) सदस्य सचिव हैं। अन्य सदस्यों में सर्वश्री डॉ. बी.के. शर्मा (कार्यवाहक प्राचार्य, सांध्य कॉलेज), सांध्य कॉलेज शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ0 प्रेमलता शर्मा एवं डॉ0 हेमा दहिया हैं। प्रातः कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ0 सी.पी. मिश्र एवं डॉ0 महेश विद्यालंकार हैं। प्रो0 अनिल ग्रोवर की अध्यक्षता में यह गवर्निंग बॉडी जहां एक ओर कॉलेज की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के मार्गदर्शक के रूप में है वहीं दूसरी ओर कॉलेज की विभिन्न समस्याओं के निदान की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

कॉलेज भवन

आज कॉलेज के पास दस एकड़ भूखण्ड पर बना अपना भवन तो है परन्तु अभी भी अपूर्ण और अपर्याप्त है। अध्यापन कक्ष, सभागार भवन का निर्माण होना अभी शेष है। सांध्य कॉलेज सांय साढ़े तीन बजे आरंभ होकर रात नौ बजे तक चलता है, इससे हमारी प्राध्यापिकाओं और छात्राओं को विशेष रूप से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। परिस्थितिजन्य इस कठिनाई के निराकरण के लिए हम सभी निरंतर प्रयत्नशील हैं। मैं प्रो0 खुराना का ध्यान महाविद्यालय की दशा और दिशा की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि हमारे भवन संबंधी कठिनाइयों पर विश्वविद्यालय के आला एवं संबंधित अधिकारियों से अनुशंसा करें ताकि स्वर्ण जयंती के अवसर तक स्थिति में और अधिक सुधार हो सके।

पुस्तकालय

हमारे कॉलेज का पुस्तकालय बहुत समृद्ध होने के साथ–साथ पूर्णतः वातानुकूलित है। इसमें लगभग 58 हजार पुस्तकों का अनूठा संग्रह है। लगभग 40 देशी और विदेशी पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। इसी क्रम में हमारा इलैक्ट्रोनिक रिसोर्स सैंटर भी पूर्णतः वातानुकूलित है और अत्याधुनिक कम्प्यूटर सिस्टम एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। रिसोर्स सैंटर में प्राध्यापकों के लिए अलग से एक कक्ष की व्यवस्था है। पुस्तकालय का संचालन लाइब्रेरियन डॉ0 आर.पी. शर्मा की देखरेख एवं पुस्तकालय समिति के परामर्श द्वारा होता है। डॉ0 बृज किशोर, हिंदी विभाग, पुस्तकालय परामर्श समिति के संयोजक हैं।

इस अवधि में पुस्तकालय स्टाफ के श्री रवि तिवारी ने एम.कॉम. की उपाधि उच्च द्वितीय श्रेणी में प्राप्त कर ली है।

यद्यपि आज विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है परन्तु पुस्तकालय स्टाफ की संख्या सन् 1980 में जो थी आज भी वही है। इस संदर्भ में मुझे यह सूचित करते हुए अपार खुशी हो रही है कि पर्याप्त स्टाफ न होने पर भी पुस्तकालय सेवाएँ एक भी दिन के लिए बाधित नहीं हुई।

प्रशासनिक विभाग

यह सूचित करते हुए मुझे अपार गर्व की अनुभूति हो रही है कि कॉलेज ने 1 जनवरी, 2004 के बाद नियुक्त हुए सभी अध्यापक एवं कर्मचारियों को भारत सरकार के नये प्रावधान के अनुसार न्यू पेंशन स्कीम में सम्मिलित कर दिया है। इस कठिन कार्य को कुशलता से सम्पन्न करने का श्रेय हमारी अकाउण्ट ब्रांच को जाता है। यह उल्लेखनीय है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के केवल 15 कॉलेज ही अभी तक **'NPS'** में सम्मिलित हो पाए हैं। हमारे कॉलेज को इस श्रेणी में लाने के लिए मैं अकाउंट्स ब्रांच के सभी अधिकारी एवं विशेष रूप से सेक्शन ऑफिसर श्री श्रवण कुमार के अथक प्रयास के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मुझे यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि अकाउंट्स ब्रांच के सेक्शन ऑफिसर श्री श्रवण कुमार ने इसी वर्ष इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज इन एजूकेशन, राजस्थान से एम.बी.ए. (फाइनेंस) 69 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण कर ली है।

पिछले कई वर्षों से कॉलेज में कार्यरत कर्मचारियों के लिए पदोन्नति के अवसर लगभग अवरूद्ध थे। इस वर्ष निम्नलिखित कर्मचारियों की पदोन्नति हुई हैं:–

1. श्री देशराज चावला – सीनियर असिस्टेंट से सेक्शन ऑफिसर (प्रशासन)
2. श्री गुलशन कपूर – असिस्टेंट से सीनियर असिस्टेंट
3. श्री राजीव दत्ता – जूनियर असिस्टेंट से असिस्टेंट
4. श्री शैलेन्द्र कुमार – असिस्टेंट से सीनियर पी.ए.

5. श्री एम.एल. गौड – ऑफिस अटेण्डेंट से दफ्तरी

इसके अतिरिक्त इन कर्मचारियों को **'MACPS'** के तहत आर्थिक लाभ मिला है। इस क्रम में लाभान्वित होने वालों में श्री शैलेन्द्र कुमार शर्मा, श्री रविन्द्र गोयल, श्री चन्द्रप्रकाश, श्री एम.एल. गौड, श्री सुखराम, श्री कमल हैं। ये पदोन्नतियाँ हमारे कॉलेज के कर्मचारियों के लिए उत्साहवर्धक सिद्ध हुई हैं।

इस वर्ष 2011–2012 से सेमेस्टर सिस्टम के लागू होने से पिछले वर्षों की अपेक्षा कर्मचारियों का कार्यभार कई गुना बढ़ गया है। स्टाफ की कमी के बावजूद कर्मचारी इस चुनौती का सामना कुशलतापूर्वक कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रशासनिक अधिकारी श्री राजेश हांडू, सेक्शन ऑफिसर श्री देशराज चावला और सभी कर्मचारियों का उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूँ।

इस महाविद्यालय की एक गौरवमयी परम्परा थी कि जिन नॉन–टीचिंग कर्मचारियों ने लगातार बीस वर्षों तक अपनी सेवाएँ समर्पित की थी उन्हें वार्षिक उत्सव पर सम्मानित किया जाता था। इस वर्ष पुनः इस प्रथा को प्रारंभ किया जा रहा है। मुख्य अतिथि महोदय के कर–कमलों से उन सभी कर्मचारियों को सम्मानित किया जायेगा।

<u>अध्यापक संकाय</u>

यह कॉलेज का सौभाग्य है कि इसमें विशिष्ट योग्यताओं से विभूषित अनेक ऐसे प्राध्यापक हैं जो **M.A., M.Phil.** कक्षाओं के अध्यापन और शोध–निर्देशन के लिए पूर्ण योग्य और सक्षम हैं। कॉलेज में कुल 58 अध्यापक हैं जिनमें 19 अध्यापक पीएच.डी. हैं तथा कुछ शोधरत भी हैं। अध्यापकों के लेख प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रायः छपते रहते

हैं। यही नहीं, पिछले कई वर्षों से इतिहास विभाग के ही श्री दिनेश वार्ष्णेय अध्यापन कार्य के साथ–साथ विश्वविद्यालय स्तर पर डिप्टी डीन, स्टुडेंट वैलफेयर, दक्षिण परिसर के पद पर रहकर छात्रों की समस्याओं के निदान में सतत् अपनी भूमिका का प्रभावी ढंग से निर्वाह कर रहे हैं।

अंग्रेजी विभाग के डॉ. राजेश कुमार की पुस्तक **'Of Dalit and Australian Aboriginal Writings and Culture'** पुस्तक इस वर्ष अकेडमिक पब्लिकेशंस, नई दिल्ली से प्रकाशित हुई है।

अंग्रेजी विभाग के ही डॉ0 प्रदीप शरण ने डी.ए.वी. कॉलेज, देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (18–19 मार्च, 2012) में **Bhasha Literatures : The Problem of Linguistic and Cultural Transference in Translation – The Solution Proposed'** विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया।

हिंदी विभाग के डॉ0 विद्याशंकर सिंह अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'अनुकृति' के लिए परामर्शदाता के रूप में कार्य कर रहे हैं। दिनांक 28–29 फरवरी, 2012 को बी.एच.यू. में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय : 'प्रेमचंद की विरासत' के अवसर पर 'कथाकार प्रेमचन्द और स्त्री विमर्श' विषय पर इन्होंने अपना आलेख प्रस्तुत किया। दिल्ली विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग से संबद्ध शोध छात्र का पीएच.डी. उपाधि हेतु निर्देशन का कार्य भी कर रहे हैं।

अर्थशास्त्र विभाग के डॉ0 विष्णु चरण नाग ने आर्य कॉलेज, लुधियाना में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **"Effecting Child Rights : A Stepping Stone of**

Development" विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया। इसके अलावा **GGSSD** कॉलेज, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **"Elimination of Poverty : A Myth or Reality"** विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त इन्होंने अन्य कई राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने आलेख प्रस्तुत किए।

अर्थशास्त्र विभाग की ही श्रीमती प्रिया भल्ला, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **'Mergers and Acquisitions – Issues Opportunities and Challenges'** विषय पर अपना आलेख प्रस्तुत किया। इनका एक आलेख **JUP Journal of Business Strategy** के सितम्बर 2011 अंक में प्रकाशित हुआ।

राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ0 जी.एन. त्रिवेदी ने जोधपुर और दिल्ली में आयोजित दो अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में **"Multiculturalism : Issues and Challenges"** तथा **"The Status of Mysticism in the Common Culture of Indian People"** विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त इन्होंने कई राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भी अपने आलेख प्रस्तुत किए।

इसी विभाग के श्री राकेश सिन्हा की इस वर्ष दो **"Communal and Targetted Voilence Bill, 2011"** तथा **"Secular India : Politics of Minorityism"** पुस्तकें प्रकाशित हुईं। इसके अलावा इन्होंने कई व्याख्यान, गुजरात, कर्नाटक, बैंगलोर, चेन्नई, भोपाल, पटना आदि में मुख्य वक्ता के रूप में प्रस्तुत किए।

इसी विभाग के डॉ0 राधानाथ त्रिपाठी आयरलैंड में फैलोशिप के अन्तर्गत शोध कार्यरत हैं।

कॉमर्स विभाग के श्री विजय सिंह कॉलेज में बर्सर के रूप में कार्य कर रहे हैं। प्रशासनिक कार्यों को सम्पन्न करवाने में आपका सक्रिय सहयोग निरन्तर प्राप्त होता रहा है।

कॉमर्स विभाग के श्री मांगूराम ने **GGDSD** कॉलेज चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **"Banking System and Economic Reforms in India"** विषय तथा बुलंदशहर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **"Women Empowerment Contribution of Business Sector"** विषय पर अपने आलेख प्रस्तुत किए।

स्टाफ काउंसिल

प्रोफेसर दिनेश वार्ष्णेय स्टॉफ काउंसिल के सचिव हैं। काउंसिल की बैठकें प्रायः होती रहती हैं जिनमें संस्था के शैक्षणिक स्तर और अनुशासन को बेहतर बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष रूप से विचार–विमर्श होता है तथा पारित प्रस्तावों और सुझावों को कार्यान्वित किया जाता है। प्रो0 वार्ष्णेय ने इस सत्र में मुझे जो सहयोग दिया है, उसके लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

कॉलेज में प्राध्यापकों, कर्मचारियों के कल्याण–कार्यों में रूचि लेने वाली एसोसिएशन और यूनियन आदि का गठन भी प्रति वर्ष की भाँति ही हुआ है।

स्टॉफ एसोसिएशन : अध्यक्ष – डॉ0 एम.एस. राठी

सचिव – श्रीमती ज्योति जाखड़ दहिया

कर्मचारी एसोसियेशन : अध्यक्ष – श्री राधेश्याम जोशी

सचिव – श्री राजेश हांडू

छात्रसंघ

आज का छात्र जहाँ अपने अधिकार की माँग करता है वहीं वह अपने कर्तव्य के प्रति भी पूर्ण रूप से सजग है जिसके कारण छात्र संघ के पदाधिकारियों ने छात्रों की समस्याओं के समाधान में निरन्तर अपनी तत्परता दिखाई। इसके लिए मैं छात्रसंघ के पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ। छात्रसंघ के सलाहकार डॉ0 विद्याशंकर सिंह के प्रति मैं हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने प्रशासन और छात्रसंघ के बीच सेतु का कार्य किया और सभी समस्याओं के निराकरण में मेरी निरंतर सहायता की।

वर्तमान छात्रसंघ के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं :–

अध्यक्ष	:	प्रेम कुमार मिश्र
उपाध्यक्ष	:	अलीशा अरोड़ा
सचिव	:	नीरज कुमार राव
संयुक्त सचिव	:	वीरेन्द्र सिंघानिया
सेंट्रल काऊंसलर	:	आकर्षण कुमार एवं प्रदीप कुमार

कॉलेज के छात्रसंघ के तत्वावधान में **HT Media** के सहयोग से 15–16 फरवरी, 2012 को सांस्कृतिक उत्सव का सफल आयोजन हुआ। इस अवसर पर विभिन्न कॉलेजों के छात्र–छात्राओं द्वारा एक भव्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसी क्रम में छात्रसंघ की ओर से दिनांक 30 मार्च, 2012 को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी

हुआ। इस कार्यक्रम की बड़ी सफलता यह थी कि इसकी सभी प्रस्तुतियाँ प्रबंधन और प्रस्तुतिकरण विद्यार्थियों तथा छात्र संघ का सामूहिक प्रयास था। छात्र संघ के परामर्शदाता डॉ0 विद्याशंकर सिंह एवम् सदस्य डॉ0 एस.के. शर्मा और श्री हंसराज की निष्ठा और परिश्रम से यह उत्सव अत्यन्त सफल और आकर्षक रहा।

अध्ययनरत विद्यार्थी एवं परीक्षा परिणाम

हमारे महाविद्यालय में वर्ष 2011–2012 के सत्र में 1675 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छात्रों की संख्या 1314 है तथा छात्राओं की संख्या 361 है।

यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारा शैक्षणिक स्तर दिनों–दिन श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हुआ है। इसका उल्लेख करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। पिछले वर्ष हमारा परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। मैं क्रमशः परीक्षा परिणाम का उल्लेख कर रहा हूँ।

हिन्दी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	100 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	100 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रोग्राम तृतीय वर्ष	–	98 प्रतिशत
बी.ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	93 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	92 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	91 प्रतिशत
बी.कॉम. ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	90 प्रतिशत
बी.कॉम. प्रोग्राम प्रथम वर्ष	–	87 प्रतिशत
बी.कॉम. ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	87 प्रतिशत

राजनीति विज्ञान प्रथम वर्ष	–	87 प्रतिशत
बी.ए. प्रोग्राम प्रथम वर्ष	–	83 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	82 प्रतिशत
बी.कॉम. ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	80 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	76 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	76 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	68 प्रतिशत
हिंदी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	64 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	44 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	46 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	58 प्रतिशत

सांस्कृतिक–अकादमिक गतिविधियाँ

यह सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि कॉलेज में वर्ष भर शैक्षिक व्याख्यान व सांस्कृतिक गतिविधियां निरंतर चलती रही हैं। इनका श्रेय यहाँ के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को जाता है।

अंग्रेजी विभाग की ओर से दिनांक 13 अप्रैल, 2012 **"Indian Literature and Some Questions of Modernity"** विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो0 उदय कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने आधुनिकता को परिभाषित करते हुए आत्मकथा, उपन्यास एवं निबंध के महत्त्व को भी रेखांकित किया।

हिन्दी साहित्य परिषद्, हिन्दी विभाग की ओर से दो व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए। नवम्बर 2011 में 'दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात दलित साहित्यकार श्री जयप्रकाश कर्दम, निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने अपना व्याख्यान दिया। दिनांक 4 अप्रैल, 2012 को 'आधुनिक हिंदी साहित्य और जयशंकर प्रसाद' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर हरिमोहन शर्मा, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इतिहास विभाग ने 3 अप्रैल 2012 को **"The Mahabharat Revisited"** विषय पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पी.के. बसंत का रोचक व्याख्यान आयोजित किया।

अर्थशास्त्र विभाग की ओर से 20–21 मार्च, 2012 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी विषय **"Industrialization : Development for Whom"** का आयोजन किया गया। इसमें देश–विदेश के अर्थशास्त्रियों ने भाग लिया। इस सेमिनार के सफल आयोजन में डॉ0 विष्णु चरण नाग, संयोजक का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

कॉलेज पत्रिका

''अस्मिता'' कॉलेज की पत्रिका है जो नियमित रूप से प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है। इसमें पूरे वर्ष की कॉलेज में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का सचित्र विवरण तो होता ही है, साथ ही यह पत्रिका छात्र–छात्राओं को उनकी रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच भी प्रदान करती है। ''अस्मिता'' की एक विशेषता यह भी है कि इसमें

कॉलेज के प्राध्यापकों–कर्मचारियों की रचनाएँ भी छपती हैं। इस वर्ष इसके प्रकाशन की देख–रेख निम्नलिखित संपादक मंडल कर रहा है ––

प्रधान संपादक	:	श्री पिंटु कुमार
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ. (श्रीमती) प्रेमलता शर्मा
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ. बृज किशोर
		डॉ. हेमा दहिया

खेल–कूद

फुटबाल

इस वर्ष खेल जगत में हमारे कॉलेज की उपलब्धियाँ विशिष्ट रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय फुटबाल प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय ने शिवाजी कॉलेज, नेता जी सुभाष इंस्टिट्यूट **(NSIT)** हंसराज कॉलेज, एस.आर.सी.सी., किरोड़ीमल कॉलेज तथा सेंट स्टीफेंस कॉलेज को पराजित किया तथा अंत में टाई ब्रेकर में जाकिर हुसैन कॉलेज से 1 गोल से पराजित होने के कारण कांस्य पदक प्राप्त किया।

जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रथम एस.ए. रहीम मेमोरियल फुटबाल टूर्नामेंट में मानव रचना संस्थान को एक – जीरो (1–0) एवं हरियाणा इंजीनियरिंग कॉलेज को 10–0 से, इंदिरा गांधी फिज़िकल कॉलेज को 4–0 से, जाकिर हुसैन को 3–1 से तथा जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय को 4–3 से पराजित करके प्रतियोगिता में प्रथम स्थान के साथ एस.ए. रहीम मेमोरियल ट्राफी प्राप्त की।

इसी क्रम में हमारे फुटबाल खिलाड़ियों ने प्रथम उत्तरांचल कप अंतर कॉलेज फुटबाल टूर्नामेन्ट 2012 में जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय को 2–0 से, रामलाल आनंद कॉलेज को 10–0 से, इंदिरा गांधी फिजिकल कॉलेज को 5–0 से तथा जाकिर हुसैन कॉलेज को 1–0 से पराजित कर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

हमारे निम्नलिखित खिलाड़ियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व अन्तर विश्वविद्यालय फुटबाल प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व कियाः–

दीपक बिष्ट, मोनू चौधरी, अंकित शर्मा, अभिषेक शर्मा, आशू नैथानी, दीपक कुमार सिंह, रवि कुमार, निखिल महाजन।

हॉकी

इस वर्ष हमारे कॉलेज की हॉकी टीम का प्रदर्शन सराहनीय रहा। अन्तर कॉलेज हॉकी टूर्नामेंट में हमारे कॉलेज ने इंदिरा गांधी फिजिकल कॉलेज को 5–0 से, एस.आर.सी. सी. को 5–0 से, श्यामलाल कॉलेज को 2–1 से पराजित करते हुए (सिल्वर मेडल) रजत पदक प्राप्त करके उप विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित प्रथम परवीन कौर मेमोरियल खुली हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हॉकी में हमारे महाविद्यालय के दीपक, तरूण, मुकेश दलाल और मनीष ने उत्तर भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

द्वितीय आइ.एम.ई. पद्मश्री श्यामलाल मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता 2011–2012 में आई.जी.आई. को 8–0 से, श्यामलाल कॉलेज को 7–1 से, खालसा कॉलेज को 6–2 से तथा किरोड़ीमल कॉलेज को 3–1 से पराजित कर इस प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार विजेता होने का गौरव प्राप्त किया।

इसके अतिरिक्त हमारे महाविद्यालय के बलराम ने पूना में आयोजित जूनियर राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

पावर गेम

अन्तर महाविद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्र विक्रम सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसी छात्र ने दिल्ली विश्वविद्यालय की बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार अन्तर महाविद्यालय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्र गणेश जी, नीरज यादव तथा विक्रम सिंह ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए हमारे महाविद्यालय को प्रथम स्थान दिलाया।

पहली बार आयोजित अन्तर कॉलेज ताईक्वांडो प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय के दीपक कुमार ने रजत पदक प्राप्त किया।

बॉक्सिंग

दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अन्तर महाविद्यालय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष के छात्र दिलावर सिंह ने कॉस्य पदक तथा प्रथम वर्ष के ही छात्र सोनू यादव ने रजत पदक प्राप्त किया।

रस्साकसी

दिल्ली राज्य रस्सा प्रतियोगिता में भाग लेते हुए हमारे महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्र नीरज यादव तथा प्रथम वर्ष के ही छात्र विक्रम ने रजत पदक प्राप्त किया।

तैराकी

द्वितीय वर्ष के छात्र साहिल शौकीन ने कलकत्ता में आयोजित अन्तर विश्वविद्यालय तैराकी तथा वाटर पोलो प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

खेल दिवस

इस वर्ष 28 मार्च 2012 को खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अर्जुन अवार्डी ओलम्पियन, भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान, प्रख्यात हॉकी खिलाड़ी श्री जफ़र इकबाल मुख्य अतिथि तथा डॉ. हरीश सक्सेना (पूर्व चेयरमेन, यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड) विशिष्ट अतिथि थे।

बी.कॉम. (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष के मोहित कुमार पुरूष वर्ग में, बी.ए. (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष की कुमारी नीतु सिंह को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया।

अब मैं कॉलेज के खेल जगत की एक महत्वपूर्ण घोषणा करने जा रहा हूँ। मैं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के फुटबाल खिलाड़ी बी.ए. प्रोग्राम, द्वितीय वर्ष के छात्र अंकित शर्मा को स्पोर्टसमैन ऑफ द ईयर घोषित करता हूँ। अंकित शर्मा की एक असाधारण बड़ी उपलब्धि

है कि अंकित शर्मा अब तक के एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्हें स्पेन के क्रिस्टोबल एफ.सी. क्लब की ओर से वर्ष 2011–12 के लिए एक करोड़ रूपये से अधिक धनराशि प्रदान करके अनुबंधित किया गया है। हम सभी उन्मुक्त कंठ से, करतल ध्वनि से अंकित शर्मा का अभिनंदन करें।

दिल्ली तैराकी संघ द्वारा आयोजित प्रथम दिल्ली राज्य मास्टर्स तैराकी प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ. एम.एस. राठी (एसोसिएट प्रोफेसर – फिजिकल एजूकेशन) ने

1. 50 मीटर फ्री स्टाइल – स्वर्ण पदक
2. 100 मीटर फ्री स्टाइल – स्वर्ण पदक
3. 200 मीटर फ्री स्टाइल – स्वर्ण पदक
4. 400 मीटर फ्री स्टाइल – स्वर्ण पदक
5. **100x4** फ्री स्टाइल रिले – स्वर्ण पदक
6. **100x4** मैडले रिले – स्वर्ण पदक

अतः कुल छः स्वर्ण पदकों के साथ अपने वर्ग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ तैराक घोषित किये गये।

मैं कॉलेज की खेल उपलब्धियों के लिए फिजिकल एजुकेशन में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 एम.एस. राठी को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिनके कुशल निर्देशन और परिश्रम से ही हमारे कॉलेज के प्रतियोगी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रस्तुत विवरण की परिसमाप्ति से पूर्व मैं अपने सभी सहकर्मी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति अपना आभार प्रकट करना चाहता हूँ जिनके सहयोग के अभाव में यह सब संभव नहीं था। डॉ0 विद्याशंकर सिंह और डॉ0

ब्रजकिशोर, हिन्दी विभाग तथा श्रीमती उमा चौधरी, अंग्रेजी विभाग विशेष आभार के पात्र हैं जिन्होंने वार्षिक विवरण बनाने में मेरा भरपूर सहयोग किया।

मैं मोतीलाल नेहरू कॉलेज (प्रातः) के प्राचार्य डॉ0 बी.के. जैन एवं सभी अध्यापक एवं कर्मचारियों का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने सदैव हमारा सहयोग किया।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी मेरे विशेष धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने में निरंतर सक्रियता के साथ अपने गहन दायित्व का निर्वाह किया।

छात्र–छात्राओं का उल्लेख इस दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है जिन्होंने अनेक अभावों और कठिनाइयों के होते हुए भी न केवल अध्ययन के क्षेत्र में अपितु राष्ट्रीय स्तर के खेल–जगत में भी अपना स्थान बनाकर हमें गौरवान्वित किया है।

प्रोफेसर जितेन्द्र मोहन खुराना, प्रोफेसर अनिल ग्रोवर तथा प्रोफेसर जे.एस. विरदी के प्रति विशेष रूप से अनुगृहित हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हम सबको उपकृत कर इस संस्था को गौरव प्रदान किया। आज के उत्सव की सफलता के लिए मैं अपने सहयोगी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को बधाई देता हूँ तथा उनके प्रति पुनः धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

दिनांक : 18 अप्रैल, 2012

डॉ0 बिजेन्द्र कुमार शर्मा
प्राचार्य